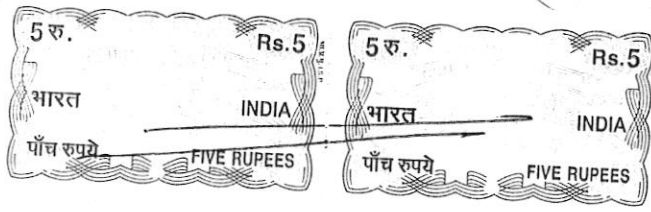
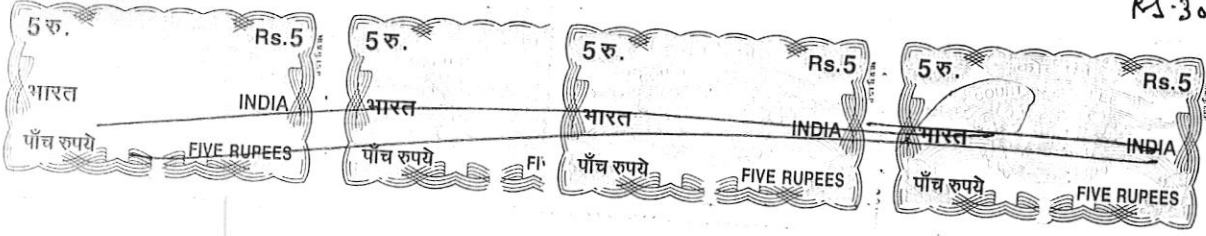


28



न्यायालय श्रीमान राजस्व मंडल ग्वालियर कैम्प रीवा म०प्र०

III निग० / सिग० / 2017 / 3131



आदित्यधर पिता श्री ठाकुरधर द्विवेदी उम्र 58 साल पेशा खेती निवासी

ग्राम फुलकेश, (खैरा) तहसील चितरंगी जिला सिगरौली म०प्र०

आवेदक आदित्यधर द्विवेदी
राज पेशा 06-9-17

.....आवेदक/निगरानीकर्ता

बनाम

कोर्ट ऑफ कोर्ट
राजस्व मंडल म० प्र० ग्वालियर
(कोर्ट ऑफ कोर्ट) रीवा

शंभूधर पिता श्री लक्ष्मणधर ब्राम्हण उम्र 70 साल निवासी ग्राम फुलकेश,
(खैरा) तहसील चितरंगी जिला सिगरौली म०प्र०

.....अनावेदक/गैर निगरानीकर्ता

निगरानी बिरुद्ध आदेश अपर आयुक्त महोदय
रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक
28निगरानी/2003-2004 मे गोपालधर
द्विवेदी बनाम शंभूधर द्विवेदी मे पारित आदेश
दिनांक 29.8.2017

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू०रा०सं०

महोदय

निगरानी के आधार निम्न है:-

1. यह कि , निर्णय व आदेश अधीनस्थ न्यायालय बिधि, प्रक्रिया एवं साक्ष्यो के बिपरीत होने से आदेश दिनांक 29.8.017 निरस्त किये जाने योग्य है।
2. यह कि , अधीनस्थ न्यायालय द्वारा इस तथ्य पर गौर नही किया गया कि आवेदक/निगरानीकर्ता द्वारा तहसीलदार महोदय के न्यायालय मे सीमांकन के बावत आपत्ति प्रस्तुत की गयी थी जिस मे गैर निगरानीकर्ता द्वारा जो सीमांकन का आवेदन प्रस्तुत किया गया था

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अधिकारियों का आदि हस्ताक्षर
------------------	---------------------	---

97

19/9/17

शम्याट आदिपत्र दिवेरी एवं 34/1
 3/10/17 तक सुनने प्रस्ताव
 21/5/11 को
 सिद्ध

अभिलेख

6/3/18

प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा के प्रकरण क्रमांक 28/03-04 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 29-8-17 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।

2/ आवेदक के अभिभाषक द्वारा निगरानी की ग्राह्यता पर दिये गये तर्कों के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन पर पाया गया कि अनावेदक द्वारा उसके स्वत्व की भूमि के सीमांकन हेतु दिये आवेदन पर तहसीलदार चितरंगी ने पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से सीमांकन कराया है, जिस पर आवेदक ने आपत्ति प्रस्तुत की। उभय पक्ष को सुनकर तहसीलदार ने आदेश दिनांक 23-6-01 पारित करके सीमांकन को अंतिमता प्रदान की है, जिसके विरुद्ध अपर कलेक्टर बैदण के समक्ष आवेदक ने निगरानी की थी। अपर कलेक्टर बैदण ने प्रकरण क्रमांक 134/01-02 निगरानी में पारित आदेश

क्रमशः →

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक तीन-निगरानी/सिंगरोली/भू.रा./2017/3131

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>दिनांक 12-3-03 में विवेचित किया है कि तहसीलदार चितरंगी ने आदेश दिनांक 23-6-01 पारित करने के पूर्व आवेदक को सुनवाई का पर्याप्त अवसर दिया है किन्तु आवेदक सीमांकन किन् कारणों से गलत किया गया है प्रमाणित करने में असफल रहा है जिसके कारण अपर आयुक्त, रीवा संभाग, रीवा ने प्रकरण क्रमांक 28/03-04 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 29-8-17 में दोनों अधीनस्थ न्यायालयों के आदेशों को हस्तक्षेप योग्य नहीं माना है। जब तीन अधीनस्थ न्यायालयों के आदेश समवर्ती हों, तब निगरानी में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिये। यदि अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से आवेदक स्वयं की भूमि प्रभावित होना मानता है तब आवेदक स्वयं की भूमि का अधीक्षक अथवा सहायक अधीक्षक भू अभिलेख से सीमांकन कराने हेतु स्वतंत्र है जिसके कारण विचाराधीन निगरानी में हस्तक्षेप की गंजायश नहीं है।</p> <p>3/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी में सुनवाई के पर्याप्त आधार न होने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।</p>	<p>सहस्य</p>